प्रमाण पत्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि, श्रीमती जयश्री भारकर जाधव ने मेरे निर्देशन में ' उपेन्द्रनाथ अश्क के ' अलग-अलग रास्ते ' - नाटकान्तर्गत समस्याएँ ' शीर्षक लघु शोध-प्रबन्ध शिवाजी विश्वविद्यालय की एम.फिल्. उपाधि के हेतु लिखा है। जो तथ्य प्रबंध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही है। मैं संपूर्ण लघु शोध-प्रबन्ध को आद्योपान्त पढ़कर ही यह प्रमाणपत्र दे रहा हूँ।

कोल्हापुर
३० मई, १९८९.

(डॉ.व्ही.व्ही.द्रविड)
शोध निर्देशक

...

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

' उपेन्द्रनाथ अश्क के ' अलग-अलग रास्ते ' - नाटकान्तर्गत समस्याएँ '

१) उपेन्द्रनाथ अश्क - चरित्रगत एवं साहित्यिक परिचय ।

२) ' अलग-अलग रास्ते ' - कथावस्तु तथा नाटक में वैवाहिक जीवन-सम्बन्धी समस्याएँ ।

३) नाटकान्तर्गत पारिवारिक समस्याएँ ।

४) नाटक में सामाजिक समस्याएँ ।

५) उपसंहार ।

कोल्हापुर

दिनांक: ३०/५/८८

Bjadhav
शोध छात्रा
सौ. जयश्री भास्कर जाधव
एम.ए.,बी.एड्.

निर्देशक
डॉ.व्ही.व्ही.द्रविड

...

प्र ख्या प न

यह लघु प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम.फिल. के लघु प्रबंध के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी उपाधि के प्रस्तुत नहीं की गयी है।

कोल्हापुर

दिनांक ३० मई, १९८९

(सौ.जयश्री भास्कर जाधव)

-000-

कृतज्ञता - ज्ञापन

प्रस्तुत शोध प्रबंध के लेखन में मुझे जिनसे सहयोग मिला, उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करना मैं अपना परम कर्तव्य समझती हूँ। सर्वप्रथम तो मैं उन समस्त लेखकों के प्रति आभार प्रकट करती हूँ, जिनकी रचनाओंका उपयोग मैंने सहायक ग्रंथों के रूप में किया है।

इस शोध-प्रबन्ध के लेखन-कार्य में मुझे मार्गदर्शन करनेवाले श्रध्देय डॉ.व्ही.व्ही.द्रविड जी के प्रति मैं अत्यंत कृतज्ञ हूँ। क्योंकि यह शोध-प्रबन्ध उनके मार्गदर्शन के बिना पूरा होना संभव ही नहीं था। साथ ही साथ प्रा.बाबासाहेब पोवार, सौ.सुमित्रा पोवार, सौ.आशा गुरव इन्होंने भी मुझे बहुत मदद की। उनके प्रति मैं कृतज्ञ हूँ। इन सबके साथ मुझे इस शोध-प्रबन्ध के लेखन कार्य में प्रेरणा प्रदान करनेवाले मेरे प्रिय पति श्री.भास्कर जाधव तथा मेरे परिवार के अन्य लोगों की मैं सदैव ऋणी रहूँगी।

शिवाजी विश्वविद्यालय, राजाराम कॉलेज तथा के.एम.सी.कॉलेज, कोल्हापुर, इन्होंने मुझे सहायक ग्रंथ पाने की सुविधा दी। इसलिए मैं उनके प्रति भी आभार प्रकट करती हूँ। और अंत में यह शोध-प्रबन्ध टंकीत करनेवाले श्री.पाटील जी के प्रति मैं अत्यंत कृतज्ञ हूँ।

कोल्हापुर.

सौ.जयश्री भास्कर जाधव
एम.ए.,बी.एड.